Foreign visits by Vice-Chancellors of Central Universities

*12. DR. MOHD. HASHIM KIDWAI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what is the number of visits paid by the Vice-Chancellors of Central Universities to the foreign countries during the last three years, alongwith the purpose of such visits and the names of countries visited;

(b) what is the total expenditure incurred on these visits; and

(c) how much of the expenditure was met by the Universities and how much by Government?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI P. SHIV SHANKER): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House. [*See* Appendix CXLVII, Annexure No. 1]

(c) The expenditure on most of these foreign visits of the Vice-Chancellors has been met by the organisers of the conferences, seminars, etc. and University Grants Commission grants made available to the Universities for this purpose.

खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए दिल्ली में स्टेडियम

*13. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में ऐसे अनेक स्टेडियम हैं, जहां खिलाड़ियों के लिये प्रशिक्षण सुविधाएं विद्यमान हैं ;

(ख) ऐसे कितने स्टेडियम है, जिनमे खिलाड़ियों के नियमित प्रशिक्षण के लिये अब तक सुविधाओं की व्यवस्था नहीं की गई है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक स्टेडियम के रख-रखाव और उनमें अन्य सुविधाओं पर खर्च की गई कुल धनराशि का वर्षवार ब्यौरा क्या है ; और

(घ) इन स्टेडियमों से मूल प्रशिक्षण प्राप्त करके विश्व स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये विदेशों में गये नये खिलाड़ियों की संख्या कितनी है और उनका ब्यौरा क्या है और इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में उनका प्रदर्शन कैसा रहा है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री पी० शिवशंकर): (क) से (ख) जी, हां। खेल विभाग भारत सरकार के स्वामित्व में निम्नलिखित स्टेडियमों के बारे में सूचना रखता है और भारतीय खेल प्राधिकरण (एस०ए० आर०) द्वारा इनका प्रबंध, अनुरक्षण और प्रयोग किया जाता है--

(1) जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम

(2) राष्ट्रीय स्टेडियम

(3) इंदिरा गांधी स्टेडियम

(4) यमुना वेलोड्रम

(5) तालकटोरा तरणताल

(6) तुगलकाबाद शूटिंग रेंज

(7) हौज खास लॉन टेनिस स्टेडियम (पार्ट केवल)

इन सभी स्टेडियमों में विभिन्न खेलों में बुनियादी स्तर से नियमित प्रशिक्षण की सुविधायें प्रदान की गई हैं।

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक उपर्युक्त स्टेडियमों के रख-रखाव और अन्य सुविधाओं पर कुल खर्च की गई राशि विवरण में दी गई है (नीचे देखिय)

(घ) दिल्ली में भारतीय खेल प्राधिकरण का प्रयोग मुख्य तौर पर राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये टीमों को तैयार करने हेतु राष्ट्रस्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिये किया जाता है। भारतीय खेल प्राधिकरण के स्टेडियमों की सुविधायें केवल वर्ष 1984 से ऐसे स्थानीय लड़के और लड़कियों के लिये है, जो टेबल टेनिस, टेनिस जिम्नास्टिक, बास्केटबाल, क्रिकेट, शतरंज आदि जैसे खेल सीखना चाहते हैं। स्टेडियमों का पूरी तरह प्रयोग करना और युवा खिलाड़ियों को बुनियादी प्रशिक्षण देना ही इसका लक्ष्य है।

विवरण

गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक स्टेडियम पर अनुरक्षण और अन्य सुविधाओं पर खर्च की गई राशि का वर्षवार ब्यौरे दर्शाने वाला विवरण।

(रुपए लाखों में)

	1985-86	1986-87	1987-88
1. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम	100.64	86.98	–
2. राष्ट्रीय स्टेडियम	19.42	22.76	138.62
3. एच०के०एल०टी० स्टेडियम	2.44	5.17	
4. तालकटोरा तरणताल	36.41	52.76	45.08
5. तुगलकाबाद शूटिंग रेंज	14.01	23.38	17.88
6. इंदिरा गांधी स्टेडियम	--	31.80*	158.14
7. यमुना वेलोड्रम	10.40	9.39	
	183.32	232.24	359.72

*15-1-87 से--तिथि जिस दिन इस स्टेडियम का स्वामित्व भारत सरकार को स्थानांतरित किया गया था।

Rail connection to Hazaribagh

*14. SHRI YASHWANT SINHA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Hazaribagh is neither connected by rail nor any out-agency of the Railways is functioning there;

(b) whether it is also a fact that the quota for Hazaribagh in the various trains passing through the nearby stations is most inadequate and that this causes enormous inconvenience to the people of Hazaribagh; and

(c) if so, what action Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. The existing quotas are, by and large, adequate.

(c) Does not arise.

Identification of rivers for National Waterways

*15. SHRI SHANTI TYAGI:

SHRI SHIV PRATAP MISHRA:

Will the Minister of SURAFCE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some more rivers in various States in the country have been identified for being declared as